

**पदास** स्त्री. (देश.) पादने (अपान वायु निकालने) का भाव या वृत्ति।

**पदासन** पुं. (तत्.) 1. पादपीठ, चरणपीठ 2. वह आसन जिस पर पैर रखे जाते हैं।

**पदासा** पुं. (देश.) 1. वह जिसे पादने (अपान वायु छोड़ने) की इच्छा हो रही हो, जिसे पदास (अपान वायु छोड़ने की इच्छा) लगी हो 2. बहुत अधिक पादने (अपान वायु छोड़ने वाला) व्यक्ति वि. बहुत अधिक पादने वाला।

**पदासीन** वि. (तत्.) पद विशेष पर प्रतिष्ठित, पद पर आसीन या काम करता हुआ।

**पदाहत** वि. (तत्.) पैर से ठुकराया गया।

**पदी** पुं. (तत्.) 1. पैदल, प्यादा, पदाति 2. पदों का समूह यथा, सप्तपदी, चतुष्पदी वि. जिसके पैर हों; पदवाला।

**पदु** पुं. (तद्.) दे. पद।

**पदुम** पुं. (तद्.) 1. घोड़ों का एक चिह्न या लक्षण जो पैरों के मोखों के पास होता है, भारत में इसे शुभ माना जाता है 2. दे. पद्म, कमल, उदा. वंदउँ गुरुपद पदुम परागा -तुलसी-मानस 3. सौ खरब की संख्या उदा. पदुम अठारह जूथप बंदर।

**पदेक** पुं. (तत्.) बाज (पक्षी) श्येन।

**पदेन** क्रि.वि. (तत्.) किसी पद विशेष की हैसियत से, पद विशेष पर प्रतिष्ठित होने के कारण, यथा- हमारी कार्यकारिणी समिति के आप पदेन सदस्य हैं।

**पदोड़ा** वि. (देश.) 1. अत्यधिक अपान वायु छोड़ने या पादने वाला 2. डरपोक, कायर पुं. (तद्.) अत्यधिक पादने वाला व्यक्ति, कायर व्यक्ति, डरपोक आदमी।

**पदोदक** पुं. (तत्.) 1. चरणामृत; वह जल जिसमें पूज्य व्यक्तियों के पैर धोये गए हों या धोये जाएँ, "पादोदक"।

**पदोन्नति** स्त्री. (तत्.) 1. किसी कर्मचारी अथवा अधिकारी के पद में होने वाली वृद्धि अथवा उन्नति, पदवृद्धि, तरक्की, प्रमोशन।

**पद्** पुं. (तत्.) 1. पैर, पद 2. पाद 3. अंश, चतुर्थांश।

**पद्ग** पुं. (तत्.) 1. पैदल जाने या चलने वाला 2. पैदल सैनिक, प्यादा।

**पद्धटिका** पुं. (तत्.) प्रत्येक चरण में 16 मात्राओं वाला सममात्रिक छंद जिसके अंत में जगण होता है।

**पद्धड़ी** स्त्री. (तद्.) 1. राह, मार्ग, पथ, रास्ता 2. पंक्ति, कतार 3. रीति, प्रथा, रिवाज, परिपाटी, प्रणाली, विधि 4. ढंग, तरीका 5. ऐसी पुस्तक जिसमें कोई कार्य-प्रणाली या प्रथा बताई गई हो जैसे- "विवाह-पद्धति" 6. उपनाम, अल्ल।

**पद्धरि** पुं. (तद्.) 'पद्धटिका'।

**पद्धिम** पुं. (तद्.) पाँव का शीतल होना; पैरों का ठंडापन।

**पद्म** पुं. (तत्.) 1. कमल का पौधा, कमल का फूल 2. पैर के तलुए में पाए जाने वाला कमल के आकार वाला एक चिह्न जो सौभाग्य सूचक माना जाता है 3. भगवान विष्णु का एक अलंकार जिसका स्वरूप एवं आकार कमल जैसा है 4. वास्तुशास्त्र के अनुसार किसी स्तंभ के सातवें भाग का नाम 5. योग के अनुसार शरीर के भीतर अवस्थित षट्चक्र जो कमल के आकार के हैं 6. कुबेर की नव निधियों में से एक 7. गले में पहनने का एक सुंदर आभूषण 8. गणित की गिनती में इकाई, दहाई, सैकड़ा आदि के क्रम में सोलहवें स्थान पर आने वाली संख्या जो एक सौ नील के बराबर मानी जाती है 9. शरीर पर हो जाने वाला श्वेत दाग या कुष्ठ का दाग 10. हाथी की सूँड और उसके मस्तक पर तरह-तरह के रंगों से की जाने वाली चित्रकारी 11. साँप के फन पर बना चित्र या चिह्न 12. एक नाग का नाम 13. पुष्करमूल 14. कामशास्त्र के आधार पर सोलह प्रकार के रति बंधों में से एक 15. पुराण के अनुसार एक प्रकार का कल्प 16.